Title: Need to take effective steps to check the menace caused by wild elephants in Godda, Sahebganj, Pakud and Dumka districts in Jharkhand.

श्री हेमलाल मुर्मू (राजमहल) : अध्यक्ष महोदय, झारखंड राज्य के गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड और दुमका आदि जिलों में हिंसक जंगली हाथियों का दल इन क्षेत्र के निवासियों के जानमाल का भारी नुकसान कर रहा है। इस संबंध में मेरे पत्र के उत्तर में माननीय वन मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार इन हाथियों को पकड़ने में असमर्थ है, सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने में कोई हाथी जिम्मेवार नहीं है, हाथियों के झुण्ड को पकड़ना व्यवहारिक नहीं है और राज्य सरकार ने हाथियों को प्रभावित क्षेत्र में पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर विशेष दल का गठन किया है।

माननीय मंत्री जी के उत्तर में कई विरोधाभास हैं क्योंके एक तरफ वर्तमान वित्तीय वर्ष में 58.50 लाख लूट विरोधी कार्य, 25 लाख अनुग्रह धन और 151.31 लाख की राशि केन्द्र सरकार द्वारा झारखण्ड सरकार को स्वीकृत किया गया है जबकि इस क्षेत्र के निवासी हमेशा हाथियों से आतंकित रहकर रात भर पहरा देते हैं। अभी फरवरी माह में गोड्डा जिला में हाथियों ने एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया है जबकि सरकार पहले ही नहीं मानती है कि नुकसान हो रहा है।

अतः केन्द्र सरकार से आग्रह है कि झारखण्ड के उपर्युक्त जिलों में जंगली हाथियों से जानमाल के हो रहे नुकसान, केन्द्र सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए झारखण्ड सरकार को स्वीकृत राशि का वास्तविक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु और इस क्षेत्र के निवासियों को तत्काल प्रभाव से हाथियों से रक्षा करने के लिए एक संसदीय समिति और विशेषज्ञ समितियों का गठन किया जाये।